प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

15.12.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1500 बजे

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केन्द्र सरकार पर हिमाचल प्रदेश के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया है। नई दिल्ली में उन्होंने कहा कि प्रदेश को 2023 और 2025 में प्राकृतिक आपदा का सामना करना पड़ा, मगर मदद के नाम पर केंद्र का रवैया निराशाजनक रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित साधनों के बावजूद राज्य सरकार ने आपदा प्रभावितों के लिए 45 सौ करोड़ रूपए का विशेष पैकेज लाकर उनकी मदद की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से अर्जित आय को बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

पुण्य तिथि

राष्ट्र आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। उन्होंने राष्ट्र की एकता व अखंडता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। स्वतंत्र भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एकजुट करने के लिए कई प्रयास किए और सराहनीय कदम उठाएं।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सरदार वल्लभभाई पटेल की 75वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपना जीवन देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए समर्पित कर दिया था। गृहमंत्री अमित शाह ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। एक सोशल मीडिया पोस्ट में गृहमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने विपरित परिस्थितियों के बावजूद भारत को एकता के सूत्र में पिरोया था।

इंदु गोस्वामी

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के तहत ग्रामीण सड़क सर्वे एप्प के माध्यम से सड़क सुविधा से वंचित हिमाचल प्रदेश की एक हजार 9 सौ 45 योग्य बस्तियों को सर्वे किया गया है। केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने राज्यसभा सांसद इंदु गोस्वामी के एक सवाल के जवाब में संसद में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना के पहले चरण के अंतर्गत हिमाचल की 4 सौ 29 बस्तियों का 2 सौ 95 सड़क परियोजनाओं के माध्यम से एक हजार 5 सौ 38 किलोमीटर लम्बी सड़कों का जाल बिछा कर सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। कमलेश पासवान ने बताया कि योजना के चौथे चरण का सर्वे सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों ने पूरा कर लिया है और मंत्रालय की तकनीकी टीम इसकी जांच कर रही है।

सुखाश्रय योजना

प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना हजारों जरूरतमंद बच्चों और निराश्रित महिलाओं के जीवन में नई रोशनी बनकर उभरी है। इस योजना से अब तक चार हजार एक सौ से अधिक बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के रूप में गोद लेकर सरकार ने उनके पालन–पोषण और शिक्षा की संपूर्ण जिम्मेवारी उठाई है। अधिक जानकारी के साथ हमारे शिमला जिला संवाददाता।

बच्चों को 14 वर्ष की आयु तक 1,000 रुपये, 18 वर्ष तक 2,500 रुपये और 18 से 27 वर्ष की आयु तक 4,000 रुपये मासिक सहायता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा का पूरा खर्च सरकार वहन कर रही है और छात्रावास उपलब्ध न होने पर 3,000 रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। यही नहीं, स्टार्टअप, व्यवसाय, घर निर्माण और विवाह तक के लिए भी आर्थिक प्रावधान कर उन्हें आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर किया जा रहा है।योजना के तहत मकान निर्माण हेतु 3 लाख रुपये की सहायता का प्रावधान किया गया है। जिला शिमला में भी 19 लाभार्थियों को गृह निर्माण सहायता उपलब्ध करवाई गई है।योजना ने हजारों बच्चों और बेसहारा लोगों के जीवन में उम्मीद और आत्मनिर्भरता की नई राह खोली है।

वॉकथॉन

प्रदेश सरकार द्वारा नशे के खिलाफ शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत कल 16 दिसम्बर को हमीरपुर में मैगा वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। अधिक ब्यौरे के साथ हमारे हमीरपुर जिला संवाददाता।

प्रदेश सरकार के चिट्टा विरोधी अभियान के तहत 16 दिसंबर को हमीरपुर में हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेगा वॉकथन में विद्यार्थियों और युवाओं सहित लगभग 10000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है इस दौरान हमीरपुर शहर में यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस ने विशेष प्रबंध किए हैं । पद यात्रा के दौरान पुलिस शहर यातायात पूरी तरह रोक दिया जाएगा तथा सभी बहनों को अनु पक्का ब्रोग और मटन सीट से ही बायपास की ओर डायवर्ट कर दिया जाएगा। केवल एंबुलेंस और अन्य इमरजेंसी वाहनों को ही शहर में अनुमति मिलेगी आकाशवाणी के लिए हमीरपुर से मैं हरीश नंदा

मौसम

प्रदेश के अधिकांश भागों में आज हल्के बादल छाए हुए हैं जबकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्का हिमपात हुआ है। ऊंची चोटियों पर हुए हिमपात के बाद जनजातीय जिला लाहौल स्पिति में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। राज्य में लंबे समय से वर्षा न होने से फलों और फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। किसान और बागवान बेसब्री से बारिश व बर्फबारी का इंतजार कर रहे हैं।

किसान 1 –ना तो बारिश हो रही है, फसल बिजाई कर पा रहे हैं, जितना धुन देखो, ठंड देखो, बहुत ज्यादा है और इसकी वजह से हम हॉस्पिटल के चक्कर भी लगाने पड़ते हैं, क्या अगर थोड़ी सी बारिश हो जाए तो बड़ी अच्छी बात है।

किसान 2 –सूखे का यह दौर हम सब बागवानों के लिए बहुत घातक है, काफी समय से बारिश ना होने से जमीन में जो नममी की कमी है वह बहुत ज्यादा हो गई है, हमने सेब के पौधों में तौलिए भी करने हैं, नए पौधे लगाने के लिए हमने गड्ढे भी बनाने हैं, मगर बारिश ना होने से हम यह सब नहीं कर पा रहे हैं, इसलिए हम बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि बर्फ और बारिश हो जिससे हम यह सब काम कर पाए।